रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 10 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 226 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

जल रहा काठमांडू

हर ओर प्रदर्शन की ज्वाला

● हिंसक प्रदर्शन के बीच पीएम ओली का इस्तीफा ● संसद भवन में घुसे प्रदर्शनकारी, आग भी लगाई

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के घर तोड़फोड़

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। प्रदर्शनकारी ने संसद भवन में आग लगा दी। इसके अलावा, पीएम ओली, राष्ट्रपति, गृहमंत्री के निजी आवास पर तोड़फोड़ के बाद आगजनी की। वित्त मंत्री को काठमांडू में उनके घर के नजदीक दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारता दिख रहा है। इस बीच, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। उन्हें सेना हेलीकॉप्टर से अज्ञात स्थान पर ले गई है। इस हिंसा में अब तक 19 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, शेर बहादुर देउबा और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के निजी आवासों को भी आग के हवाले कर दिया। सोमवार को शुरू हुए हिंसक प्रदर्शनों में 20 से ज्यादा लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने के बाद सरकार पूरी तरह से घिर गई थी। स्थिति संभालने के लिए सेना को तैनात करना पड़ा, लेकिन जेन जेड की अगुवाई में हो रहे प्रदर्शनों ने ओली सरकार को झुका दिया। सूत्रों के मुताबिक, इस्तीफे से पहले सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल ने ओली को पद छोड़ने की सलाह दी थी।

देश की अहम इमारतों पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा

नेपाल की राजधानी काठमांडू में तीन प्रमुख इमारतें (संसद, सिंह दरबार और सर्वोच्च न्यायालय) अब पूरी तरह से प्रदर्शनकारियों के नियंत्रण में आ गई हैं। सिंह दरबार में मंत्रियों के दफ्तर हैं। सेना ने वहां से मंत्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए ऑपरेशन चलाया। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति को सौंपे अपने त्यागपत्र में लिखा है कि उन्होंने देश में पैदा हुए असामान्य परिस्थितियों के कारण इस्तीफा दिया है। उन्होंने जो त्यागपत्र दिया है, उसमें लिखा है- देश में व्याप्त वर्तमान असामान्य स्थिति को देखते हुए, मैंने संविधान के अनुच्छेद 77 (1) (ए) के अनुसार, आज से प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है, ताकि संविधान के अनुसार राजनीतिक समाधान और समस्या समाधान की दिशा में आगे कदम उठाया जा सके। काठमांडू के मेयर बालेंदु शाह ने कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह से जेन-जेड का है। शाह ने कहा- जेन-जेड आपके हत्यारे का इस्तीफा आ चुका है। अब नई पीढ़ी को ही देश की लीडरशिप संभालनी होगी। उन्होंने युवाओं से तैयार रहने की अपील की और सेना प्रमुख के साथ बातचीत के लिए भी तैयार रहने को कहा। इसके साथ ही शर्त रखी कि बातचीत से पहले संसद भंग करना जरूरी है। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय और अटॉर्नी जनरल के ऑफिस में तोड़फोड़ की।

भारत बहुत जल्द बनेगा 'सेमीकंडक्टर का किंग'

हाथ लगा गजब का फॉर्मूला, नीति आयोग ने बताया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सेमीकंडक्टर की दुनिया में अपने आप को स्थापित करने के लिए दिन-रात एक कर रहा है। इस साल के आखिर में भारत के पास पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप भी होने वाली है। इसी बीच नीति आयोग ने कहा है कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। इसके लिए 2डी मटेरियल्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

इनके इस्तेमाल से ना सिर्फ ऊर्जा की बचत होगी, बल्कि कंप्यूटिंग की स्पीड में भी सुधार हो सकता है। यही कारण है कि नीति आयोग का मानना है कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर को लीड करने की क्षमता रखता है। चलिए, समझते हैं कि 2 डी मटेरियल्स क्या हैं और सेमीकंडक्टर निर्माण में इनका क्या महत्व है। 2 डी मटेरियल्स ऐसी सब्सटेंस है, जो बहुत ही पतली होती है। इसकी मोटाई एक या कुछ एटम जितनी ही होती है। यह एक या कुछ एटम की मोटाई वाली। ये मटेरियल्स इतनी पतली होती है कि इन्हें देखना भी मुश्किल है। कल्पना करें कि आपका स्मार्टफोन कागज की तरह मोड़ा जा सकता है, लेकिन वह टूटता नहीं या फिर ऐसी स्क्रीन जो इतनी पतली हो कि नजर ही ना आए। ये 2डी मटेरियल्स बिजली, प्रकाश और ताकत के मामले में आम 3डी मटेरियल्स से बहुत अलग होती हैं। इनका इस्तेमाल सेमीकंडक्टर, मेमोरी चिप्स, क्वांटम डिवाइस और फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स में हो सकता है। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि 2डी मटेरियल्स से बने ट्रांजिस्टर बहुत कम बिजली खर्च करते हैं।

सीपी राधाकृष्णन होंगे देश के नए उपराष्ट्रपति

● इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को हराया ● कुल 452 वोट मिले, सुदर्शन रेड्डी को 152 वोट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति चुनाव जीत गए हैं। राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले, वहीं इंडिया कैंडीडेट सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। बीआरएस और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक की पार्टी बीजेडी ने उपराष्ट्रपति चुनाव से किनारा किया। दोनों पार्टियों ने किसी भी गठबंधन का समर्थन नहीं किया। राज्यसभा में बीआरएस के 4 और बीजेडी के 7 सांसद हैं। लोकसभा में इकलौते सांसद वाले शिरोमणि अकाली दल ने भी पंजाब में बाढ़ के चलते वोट डालने से इनकार कर दिया। वायएसआरसीपी के 11 सांसदों ने पहले ही एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में वोट करने का फैसला किया था। चुनाव जीतने के बाद राधाकृष्णन अब जगदीप धनखड़ की जगह लेंगे।

पीएम जनमन योजना में सरकार के साथ समाज भी जुड़े: राज्यपाल

● गरीब, वंचितों के आवास निर्माण में समृद्ध वर्ग से सहयोग का आहवान

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय वर्ग के कल्याण की अभूतपूर्व योजना है और यह समाज के वंचित वर्गों के उत्थान का प्रयास है। समरस समाज के निर्माण की इस पहल में सरकार के साथ समाज को भी सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। राज्यपाल ने आहवान किया कि पीएम जनमन आवास योजना के आवासों को और अधिक बेहतर बनाने के लिये समाज के समृद्ध वर्ग का सहयोग प्राप्त किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल पीएम जनमन योजना की प्रगति की मंगलवार को राजभवन में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि प्रशासनिक स्तर पर निर्माण कार्य की मजबूती के लिए सामग्री की गुणवत्ता के साथ निर्माण की देख-रेख के प्रयासों में मैदानी सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण सामग्री की लागत को कम करने, कीमतों में समन्वय, स्थानीय और हरित निर्माण सामग्री के उपयोग की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आवास की मजबूती से कोई समझौता नहीं हो। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय समुदाय को समग्रता में लाभान्वित करने की योजना है। हितग्राहियों को लाभान्वित करने की दृष्टि से सबसे गरीब को सबसे पहले प्राथमिकता देना चाहिए और आवास मजबूत और सुविधा जनक हो। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आवास निर्माण स्थल का निरीक्षण निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सहयोग की दृष्टि से किया जाना चाहिए। स्थल चयन, आकार और निर्माण के दौरान लगने वाली सामग्री की उपलब्धता और गुणवत्ता संबंधी विभिन्न पहलुओं पर हितग्राहियों को सहयोग और मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। बैठक में राज्यपाल श्री पटेल को बताया गया कि आवास निर्माण के लिए स्थानीय सामग्री उपलब्ध कराने की पहल की गई है। ईंट निर्माण में स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है। पर्यावरण अनुकूल निर्माण प्रयासों की भी पहल की गई है। निर्माण सामग्री की दर को कम करने के लिए जिला स्तर पर मूल्य निर्धारण की कार्यवाही भी की गई है। समीक्षा बैठक में राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव दिनेश जैन, जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती जमुना भिड़े और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अनंत चतुर्दशी पर संत सेवालाल महाराज व्यायाम शाला लिमोदी का अखाड़ा सफलता पूर्वक सम्पन्न हिंदू रक्षक संगठन एकलव्य सिंह गौड़ ने बंजारा समाज के अखाड़े का भव्य रूप से स्वागत किया

इंदौर। अनंत चतुर्दशी पर्व पर निकलने वाली झांकी में इस वर्ष भी संत सेवालाल महाराज व्यायाम साला लिमोदी का अखाड़ा विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यह आयोजन संत श्री सेवालाल महाराज व्यायामशाला, लिंबोदी के तत्वावधान और घुमंतु कार्य इंदौर विभाग के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अखाड़े में बंजारा समाज के युवाओं ने अपनी कला, साहस और अनुशासन का परिचय देते हुए आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत

किया, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने सराहा। अखाड़े में मुख्य रूप से उपस्थित रहे :- घुमंतू कार्य जगन्नाथ जिला संयोजक एड. दीपक चौहान जी, समाजसेवी जय सिंह नायक, गौर बंजारा दल सचिव जितेन्द्र राठौर , सागर गौड़ , अजय राठौर, मोनू राठौर , आनंद सिलावट , शुभ हार्डिया , अजय नागर , संतोष राठौड़, अंकित रजक , अजय भगत , ऋषि पारस , आरुष नागर सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

आत्मा का आनंद ही असली आनंद है

आनंद उस सुखमय अहसास का हिस्सा है। जो हम अपनी आत्मा की आंतरिक गहराई में महसूस करते हैं, जो कि शरीरिक या बाह्य विशेषताओं से अलग होता है। सहजयोग से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के बाद साधक आत्मा के आनंद को महसूस कर सकता है। यहां कुछ मुख्य तत्व हैं जो आत्मा के आनंद को वर्णन करते हैं:

1.आत्मा की अनंतताः आत्मा अनंत है, अर्थात् इसका कोई अंत नहीं है। इसका मतलब है कि यह आनंद हमें हमारे जीवन के सभी पहलुओं में उपलब्ध हो सकता है, चाहे हम खुशी के समय में हों या दुख के समय में।

2. आत्मा का अंतरात्मा से जुड़ावः आत्मा का आनंद व्यक्तिगत अंतरात्मा के साथ जुड़ा होता है। यह एक भावनात्मक और आध्यात्मिक ज्ञान की अपेक्षा बाह्य विषयों की प्राप्ति की तुलना में अधिक गहरा होता है।

3.शांति और संतोषः आत्मा के आनंद के साथ शांति और संतोष भी आता है। यह हमारे चिंतन को शांति और स्थिरता की ओर ले जाता है, जिससे हम जीवन के हर पल को स्वागत कर सकते हैं, चाहे वह सुख का हो या दुख का।

4.आत्मा की अद्वितीयताः हर आत्मा अद्वितीय होता है और उसका आनंद भी उसके अद्वितीय धार्मिक और आत्मिक अनुभवों से आता है। यह हमें हमारे अद्वितीय स्वरूप की पहचान कराता है और असली आनंद का स्रोत बनता है। इस दृष्टिकोण से, आत्मा का आनंद ही असली आनंद होता है क्योंकि यह हमारे आंतरिक अस्तित्व के साथ जुड़ा होता है और हमें शांति और संतोष की अनुभूति प्रदान करता है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी साधकों को बताती हैं कि यह जानना होगा कि हम शांति हैं, क्योंकि आत्मा शांति का स्रोत है। एक बार जब आप आत्मा बन जाते हैं, तो आत्मा आपके ध्यान में आ जाती है और आप एक बहुत ही शांत व्यक्ति बन जाते हैं। यह ऐसा है जैसे आप परिधि पर हैं, जैसे पहिये पर यदि आप परिधि पर हैं तो आप हर समय गति कर रहे हैं, लेकिन पहिये का केंद्र बिल्कुल शांत है। तो, जैसे कि आप अपने केंद्र पर कूदते हैं, वहां से आप पहिए की सारी गति देखेंगे, लेकिन आप केंद्र में हैं और आप परेशान नहीं हैं। आप समस्याओं को भी बहुत आसानी से संभल सकते हैं। सहजयोग से निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार का अनुभव प्राप्त होता है। अधिक जानकारी हेतु आप हमारे हेल्पलाइन नंबर 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए मध्यप्रदेश से राहत अभियान

पंजाब में आई भीषण बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक बड़ा अभियान प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत इंदौर से अधिक से अधिक राशन, कंबल, दवाइयाँ एवं गोमाता के उपचार हेतु डॉक्टर्स और दवाइयाँ ले जाने की व्यवस्था की जा रही है। अभियान के पहले ही दिन इंदौर की संस्था राधे राधे फाउंडेशन ने सहयोग का उदाहरण प्रस्तुत किया। संस्था के संस्थापक श्री संतोष मीना जी ने इस अभियान के लिए 1 लाख मूल्य का राशन उपलब्ध कराया है। साथ ही इंदौर शहर के 100 स्थानों पर दानपात्र भी लगाए गए हैं, जिससे आमजन भी इस अभियान से जुड़कर सहयोग कर सकें। महासंघ की 14 सदस्यीय टीम 17 सितंबर को इंदौर से पंजाब (अमृतसर) रवाना होगी। इस टीम का नेतृत्व-शशि सातपुते-रविंद जाधव-श्रेयांश जैन एवं अन्य सदस्य करेंगे। मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ सभी समाजसेवियों और दानदाताओं से अपील करता है कि इस राहत अभियान में आगे आकर सहयोग प्रदान करें ताकि ज़रूरतमंद बाढ़ पीड़ित परिवारों और गोमाताओं की सहायता की जा सके।

एमपी की मोहन सरकार फिर लेगी 4,000 करोड़ का कर्ज़, राज्य पर कुल कर्ज़ 4.53 लाख करोड़ के पार

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार एक बार फिर बाज़ार से 4,000 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने की तैयारी में है। इस कर्ज की राशि सरकार के अनुसार राज्य में चल रहे विकास कार्यों और योजनाओं पर खर्च की जाएगी।

कर्ज़ का बढ़ता बोझ

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस नए कर्ज के बाद मध्य प्रदेश पर कुल कर्ज का आंकड़ा 4,53,640.27 करोड़ तक पहुँच गया है। 31 मार्च 2025 तक यह कर्ज 4,21,740.27 करोड़ था। यानी कुछ ही महीनों में सरकार ने 31,900 करोड़ से अधिक का कर्ज ले लिया है।

सरकार का पक्ष

वित्त विभाग का कहना है कि राज्य में सड़क, बिजली, सिंचाई और

स्वास्थ्य जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए कर्ज लेना ज़रूरी है। सरकार का दावा है कि जनता को बुनियादी सुविधाएँ और विकास कार्य समय पर पूरा कराने के लिए यह कदम उठाया गया है।

विपक्ष का आरोप

विपक्ष ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि लगातार बढ़ते कर्ज से भविष्य की पीढ़ियों पर बोझ बढ़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने आरोप लगाया कि सरकार कर्ज लेकर शोभायात्रा और दिखावे पर खर्च कर रही है, जबकि युवाओं और किसानों के वास्तविक मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। कांग्रेस नेता जितु पटवारी ने कहा कि भारी कर्ज के बावजूद जनता पर स्टांप ड्यूटी और करों का बोझ बढ़ाया जा रहा है।

विशेषज्ञों की राय

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य का ऋण–जीएसडीपी अनुपात लगभग 31.3% पहुँच गया है। यदि यही स्थिति रही तो आने वाले वर्षों में कर्ज का दबाव और ज़्यादा बढ़ सकता है।

एक तरफ सरकार का दावा है कि कर्ज से प्रदेश में विकास कार्यों को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर विपक्ष और आम जनता को आशंका है कि यह कर्ज भविष्य में महंगाई और टैक्स बोझ के रूप में उन पर ही निकलेगा।

विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) पिछोर अनुविभाग अंतर्गत नालसा जागृति एवं आगामी नेशनल लोक अदालत 13 सितम्बर 2025 की जागरूकता के अंतर्गत ग्राम गजोरा एवं ग्राम लभेडा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार माननीय न्यायालय तथा मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र प्रसाद सोनी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला शिवपुरी, श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पिछोर के मार्गदर्शन में नालसा जागृति एवं आगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 13 सितंबर 2025 की जागरूकता के अंतर्गत दिनांक 8 सितंबर 2025 को ग्राम गजोरा में तथा दिनांक 9 सितंबर 2025 को ग्राम लभेड़ा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विधिक कर्मचारी धर्मेंद्र राजोरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास विश्वकर्मा अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड पिछोर के द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर के माध्यम से विकास विश्वकर्मा अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड पिछोर के द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर के माध्यम से नालसा जागृति एवं लोक अदालत के अंतर्गत नेशनल लोक अदालत के लाभ, मुकदमा पूर्व विद्युत के प्रकरणों में छूट, एवं बैंक के प्रकरणों में ब्याज में छूट नियमानुसार दिया जाना व्यक्त किया। इसके साथ ही न्यायालय में लंबित आपसी विवाद लड़ाई झगड़ा प्रकरणों में दोनों पक्षों की आपसी सहमति से नेशनल लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण करवाए जाने की अपील की। शिविर में विधिक सेवा समिति के धर्मेंद्र राजोरिया, पैरालेगल वॉलिंटियर्स भानु प्रताप, ग्राम लभेड़ा के सरपंच का लड़का अंकुश लोधी उपस्थित रहे। जिसमें गजोरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 25 तथा लभेड़ा 40 लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या रही।

देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन,राधाकृष्णन को 452 वोट, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन को मिले 300 वोट

भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर 2025 को हुए चुनाव में सी. पी. राधाकृष्णन ने जीत हासिल की है। वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल हैं उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) का समर्थन प्राप्त था उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी बी. सुदर्शन रेड्डी थे, जो सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं और विपक्षी INDIA गठबंधन के उम्मीदवार थे इस चुनाव में संसद के दोनों सदनों के सदस्यों ने मतदान किया। NDA के पास संसद में बहुमत होने के कारण सी. पी. राधाकृष्णन की जीत पहले से ही संभावित मानी जा रही थी सी. पी. राधाकृष्णन अब भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालेंगे यह चुनाव पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने के बाद आयोजित किया गया था।

खेत को घर समझकर पड़ा रहा शराबी सरपंच, शव की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर बचाईं जान, खुरई के बाड़ौली गांव का मामला

समाजसेवी संस्थाओं पर जीएसटी अनुचित-लायन पवन मलिक ने वित्त मंत्री को भेजा पत्र

लायंस इंटरनेशनल, डि. 3233 सी (मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़) के लायन पवन मलिक (सेकंड वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर) ने भारत सरकार की माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को पत्र लिखकर यह निवेदन किया है कि लायंस क्लब जैसी समाजसेवी संस्थाओं को जीएसटी से मुक्त किया जाए। लायन पवन मलिक ने कहा कि लायंस क्लब से जुड़े सदस्य केवल समाजसेवा और सेवा गतिविधियों में भाग लेने के उद्देश्य से ही संगठन से जुड़ते हैं। इसके लिए वे स्वेच्छा से सदस्यता शुल्क (Membership Fees) प्रदान करते हैं। यह शुल्क व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि पूर्णतः सेवा कार्यों के संचालन और समाजहित में व्यय किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में सदस्यता शुल्क पर जीएसटी लगाना अन्यायपूर्ण है और निःस्वार्थ भाव से काम करने वाली संस्थाओं पर अनावश्यक वित्तीय बोझ डालता है। "सदस्यता शुल्क पर कर लगाने से समाजसेवी संस्थाओं की सेवा गतिविधियाँ प्रभावित होंगी। अतः इन्हें जीएसटी के दायरे से बाहर रखना समाजहित में होगा।" इस अवसर पर लायन पवन मलिक ने जोर देते हुए कहा कि सरकार से अपेक्षा है कि वह इस विषय पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर समाजसेवा को प्रोत्साहन देने वाला निर्णय ले। साथ ही उन्होंने देशभर के अन्य समाजसेवी संगठनों और लायंस लीडर्स से भी अपील की कि वे इस मुद्दे पर अपने-अपने स्तर से वित्त मंत्री को पत्र लिखकर आवाज बुलंद करें।

लायंस इंटरनेशनल के GAT वाइस एरिया लीडर कुलभूषण मित्तल (कुक्की) और 3233G1 के गवर्नर अनिल खंडेलवाल ने संयुक्त रूप से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी से मांग की है कि सामाजिक हितों के लिए कार्य करने वाली संस्था लायंस इंटरनेशनल क्लब बरसों से सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करता आ रहा है यह संस्था अपने सदस्यों से राशि एकत्र कर सामाजिक क्षेत्रों में समाज सुधार के कई कार्य करती है अतः इसे GST के दायरे से मुक्त किया जाए।

इतिहास रचते हुए निगमायुक्त शिवम वर्मा सीधे कलेक्टर बने

शुरू करेंगे विकास परियोजनाओं पर काम

इंदौर। यह एक ऐतिहासिक पल है जब इंदौर जिले की प्रशासनिक कमान सीधे नगर निगम के पूर्व आयुक्त शिवम वर्मा को सौंप दी गई है। यह पहला मौका है जब निगमायुक्त रहते हुए किसी अधिकारी को सीधे जिले का कलेक्टर नियुक्त किया गया हो। उन्होंने कहा कि नगर निगम का अनुभव अब जिले के व्यापक प्रशासनिक कार्यों में काम आएगा और मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप प्राथमिकताओं को तेजी से लागू किया जाएगा। शिवम वर्मा के सामने अपनी प्रशासनिक दक्षता साबित करने की चुनौती भी होगी। उन्हें अब केवल प्रशासनिक निर्णय लेने तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि जमीनी जादूगरों, भूमाफियाओं और राजनीतिक दबावों के बीच संतुलन बनाकर इंदौर के विकास कार्यों को सफल बनाना होगा। यह ध्यान देने योग्य है कि पूर्व में निगम के आयुक्त रहे अधिकारी बाद में कलेक्टर बने, जैसे कि मनीष सिंह और आशीष सिंह, लेकिन किसी को सीधे निगमायुक्त पद से कलेक्टर नियुक्त नहीं किया गया था। शिवम वर्मा इस लिहाज से इंदौर के प्रशासनिक इतिहास में पहले अधिकारी बन गए हैं।

रात जारी तबादला सूची में आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के महत्वपूर्ण पदों में व्यापक बदलाव हुए। कलेक्टर आशीष सिंह को उज्जैन सिंहस्थ के मद्देनजर संभागायुक्त का जिम्मा दिया गया, जबकि इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह को लूप लाइन भेजा गया। वहीं जनसंपर्क आयुक्त रहे सुदाम खाड़े को संभागायुक्त का पद मिला। ऐसे बदलावों के बीच शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया कि उनका फोकस मुख्य रूप से यथा यातायात सुधार, मेट्रो परियोजना और अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों पर रहेगा। शिवम वर्मा ने यह भी कहा कि इंदौर नगर निगम में काम करने का उनका अनुभव जिले की प्रशासनिक जिम्मेदारियों में अहम साबित होगा। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी विकास परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से पूरी हों और शहरवासियों को बेहतर सेवाएं मिलें। प्रशासनिक हलकों में यह नियुक्ति नई उम्मीदों और उत्साह के साथ देखी जा रही है, क्योंकि शिवम वर्मा को सहृदय, ईमानदार और सक्षम अधिकारी के रूप में जाना जाता है।

गोल्डन इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, तीन जगह बम प्लांट करने की बात से मचा हड़कंप, बच्चों के अभिभावक भी दहशत में

इंदौर। शहर में स्थित गोल्डन इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। अज्ञात व्यक्ति ने स्कूल प्रबंधन को एक ईमेल भेजकर तीन अलग-अलग जगहों पर बम प्लांट करने की बात कही। मेल में धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रशासन सकते में आ गया और तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। इस घटना के बाद बच्चों के अभिभावकों में भी डर का माहौल बन गया और वे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हो उठे। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम के साथ स्कूल में सर्च ऑपरेशन चलाया। पूरे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में कई जगहों पर जांच की गई, परंतु अब तक किसी प्रकार का संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि धमकी देने वाले की पहचान के लिए साइबर ट्रैकिंग और अन्य जांचें की जा रही हैं। फिलहाल स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त निगरानी बढ़ाई गई है और प्रशासन ने अभिभावकों को आश्वस्त किया है कि हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, ऐसी धमकियों को गंभीर अपराध मानते हुए पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई चुनौतियां भी सामने रख दी हैं।

लव जिहाद फंडिंग मामले में फंस चुके कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी पर धोखाधड़ी का नया प्रकरण, पुलिस कर रही है विस्तृत पूछताछ

इंदौर। मध्यप्रदेश में लंबे समय से सुर्खियों में रहे लव जिहाद फंडिंग मामले में गिरफ्तार कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी अब एक और गंभीर आरोप में घिर गए हैं। खजराना थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर उनके खिलाफ धोखाधड़ी का नया प्रकरण दर्ज किया है। शिकायत में बताया गया कि अनवर कादरी ने महिला जोहरा बी के घर के फर्जी दस्तावेज तैयार कर मकान बेचने का काम किया। इससे पहले भी अनवर कादरी के खिलाफ फंडिंग और अन्य आपराधिक मामलों में कई प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। पुलिस अब उन्हें रिमांड पर लेकर इस मामले में विस्तृत पूछताछ करेगी। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी पर मुस्लिम युवकों को फंडिंग करने का आरोप है, जिसके तहत वे उन युवकों को हिंदू लड़कियों को फंसाने, शादी और धर्म परिवर्तन कराने के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराते थे। यह जानकारी स्वयं मुस्लिम युवकों ने सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिसके बाद मामला सार्वजनिक चर्चा का केंद्र बन गया था। आरोपों के बाद अनवर कादरी शहर से फरार हो गए थे, लेकिन हाल ही में उन्होंने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। पुलिस का कहना है कि अब इस नए धोखाधड़ी मामले में उन्हें रिमांड पर लेकर पूरी जानकारी जुटाई जाएगी और जांच को आगे बढ़ाया जाएगा।

मालवीय नगर की सड़क से पोल शिफ्टिंग शुरू, कई जगह बाधाओं को लोग खुद हटा कर निर्माण में सहयोग कर रहे हैं

इंदौर। नगर निगम ने अब मालवीय नगर की सड़क से पोल शिफ्टिंग का काम शुरू कर दिया है और लक्ष्मीबाई प्रतिमा से जिंसी चौराहे तक 80 फीट चौड़ी सड़क बनाने की तैयारी अंतिम चरण में है। पिछले दिनों निगम ने इस सड़क के लिए नपती और निशान लगाने की कार्रवाई की थी और साथ ही लोगों को नोटिस भी जारी किए थे। इसके बाद कई लोगों ने अपने मकान और दुकानों के ऐसे हिस्से खुद ही हटा दिए थे, जो सड़क निर्माण में बाधक थे। अब निगम उन सड़कों पर काम शुरू कराने की तैयारी में है, जहां पहले से ही साइड क्लीयर है और कम बाधाएं हैं। मास्टर प्लान के तहत नगर निगम ने पिछले दिनों कई सड़कों के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर टेंडर जारी किए थे और एजेंसियों को फाइनल कर दिया गया था, लेकिन विभिन्न कारणों से काम शुरू नहीं हो पाया था। लक्ष्मीबाई प्रतिमा से जिंसी चौराहे तक सड़क का निर्माण इसलिए प्राथमिकता से किया जा रहा है क्योंकि यहां बाधाएं कम हैं और निर्माण कार्य सुचारू रूप से हो सकता है। इसके साथ ही मालवीय नगर की खुदी हुई सड़क पर भी पोल शिफ्टिंग शुरू कर दी गई है, जो एमआर-9 से एलआईजी चौराहा स्थित डीएनए हॉस्पिटल तक बनाई जाएगी। जनकार्य समिति के प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि आने वाले दिनों में सुभाष मार्ग की सड़क को लेकर भी अधिकारियों की बैठक बुलाई जाएगी और वहां की बाधाओं पर चर्चा की जाएगी। निगम ने उक्त क्षेत्र में सड़क की चौड़ाई 100 फीट से घटाकर 80 फीट कर दी थी, लेकिन उसके बावजूद कुछ बाधाएं अब भी बरकरार हैं। शहरवासियों की सहयोगी भूमिका और निगम की त्वरित कार्रवाई से उम्मीद जताई जा रही है कि सड़क निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होकर पूरा किया जाएगा।

पालदा उद्योग नगर में तेल फैक्ट्री में भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने काबू पाने में जुटाए प्रयास

इंदौर। शहर के आजाद नगर थाना क्षेत्र स्थित पालदा उद्योग नगर में जयराम टोल कांटे के पास एक तेल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर से ही धुएं का गुबार देखा जा सकता था, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है और जांच के बाद ही इसकी वजह सामने आ सकेगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकलकर्मी आग को काबू में करने के लिए कड़ी मशक्कत में जुट गए। प्रशासन और पुलिस भी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति का जायजा ले रहे हैं। अब तक किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है, जो एक राहत की बात है, लेकिन फैक्ट्री के अंदर रखी सामग्री और मशीनरी को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। इस घटना ने औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों और आपात स्थिति प्रबंधन पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए पूरी जांच की जाएगी और भविष्य में ऐसे हादसों से बचने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे। फिलहाल दमकलकर्मी आग पर काबू पाने और फैक्ट्री के आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित बनाने में जुटे हुए हैं।

5 अक्टूबर से डीएवीवी पीएचडी के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करेगा

40 से ज्यादा विषय के लिए समय पर प्रक्रिया शुरू होगी

इंदौर। पीएचडी करने वाले छात्रों के लिए यह एक अछी खबर है। ए ग्रेड प्राप्त देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी 5 अक्टूबर से पीएचडी के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने जा रही है। बताया जा रहा है कि जिन विषयों में सिर्फ नेट और इंटरव्यू के जरिये प्रवेश होना है, उनमें इस बार भी सबसे यादा सीटें मैनेजमेंट व कॉमर्स में ही रहेंगी।

दिसंबर में आरएसी के सामने इंटरव्यू होंगे। मैनेजमेंट में 150 तथा कॉमर्स में 100 से यादा सीटें होने की संभावना हैं। यह बढ़ भी सकती हैं, जबकि हिंदी, सोशियोलॉजी व पॉलिटिकल साइंस जैसे विषयों में सीटें कम ही रहेंगी। जो भी अभ्यर्थी डीएवीवी के 40 से ज्यादा विषयों में से किसी में भी पीएचडी करना चाहते हैं, उन्हें इस समय-सीमा में रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इसका विस्तृत शेड्यूल सितम्बर अंत में जारी होगा।

इंजीनियरिंग से जुड़े 13 विषयों में पीएचडी के लिए दिसम्बर में प्रवेश परीक्षा होगी, जबकि हिंदी, अंग्रेजी, कॉमर्स, मैनेजमेंट व एजुकेशन सहित 25 से ज्यादा विषयों के लिए नेट क्वालीफाई अभ्यर्थियों को आरएसी (रिसर्च डिग्री कमेटी) के इंटरव्यू के आधार पर प्रवेश मिलेगा। इधर अगले माह से तक डीएवीवी से जुड़े सारे गाइड भी अपनी सीटें जुड़वा सकेंगे। गाइड को अपनी खाली सीटों की जानकारी अपडेट करना है। जिन गाइड के मार्गदर्शन में अगर कोई पीएचडी अवॉर्ड हो गई है तो वह सीट खाली दिखानी होगी। जिन गाइड का प्रमोशन हुआ है, उन्हें दो सीटें बढ़ाने की पात्रता मिलती है, वे भी सीटें जुड़वा सकते हैं।

इन सब्जेक्ट में पीएचडी- जानकारी अनुसार लॉ, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिकल साइंस, सोशियोलॉजी, उर्दू, इतिहास, सोशल साइंस, समाजशास्त्र, जर्नलिम, मराठी, बायोटेक्नोलॉजी, बॉटनी, लाइफ साइंस, जूलॉजी, मैथ्स, हिंदी, अंग्रेजी, कॉमर्स, मैनेजमेंट, फिजिक्स, केमेस्ट्री, होम साइंस व योग सहित 25 विषय हैं।

14 सितंबर लास्ट डेट-बीबीए, बीसीए और एमबीए के एडमिशन के लिए अब अंतिम राउंड आ गया है। 14 सितंबर तक एडमिशन ले लिया तो ठीक, अन्यथा इस साल नहीं मिलेगा। वैसे इन कोर्स में अब भी 5 हज़ार सीटें हैं खाली है। बीबीए, बीसीए और एमबीए का अंतिम दौर है। आखिरकार तय हो गया कि अब तारीख नहीं बढ़ाई जाएगी। पहली बार बीबीए व बीसीए कोर्स एआईसीटीई के दायरे में आए हैं। एमबीए पहले से था।

बीमा प्रीमियम क्या सचमुच सस्ता होगा GST

कटौती का पूरा लाभ नहीं मिलने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाली 22 सितंबर से हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों पर जीएसटी पूरी तरह खत्म हो रहा है। पहले इन पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता था, जो अब शून्य हो जाएगा। इस कदम को आम ग्राहकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, लेकिन सवाल उठ रहे हैं कि क्या प्रीमियम सचमुच सस्ता होगा। इस पर विशेषज्ञों का कहना है कि ग्राहकों को पूरा 18 प्रतिशत का फायदा नहीं मिलेगा, लेकिन अनुमान है कि प्रीमियम में 12-15 प्रतिशत तक राहत जरूर मिलेगी।

यहां फंसा है पेच- विशेषज्ञों का कहना है कि जीएसटी शून्य होने से ग्राहकों का प्रीमियम खर्च सीधे घटेगा और बीमा कंपनियों को यह लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना ही होगा। हालांकि, अब कंपनियों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। पहले वे एजेंट कमीशन और दूसरे सेवाओं पर दिए गए जीएसटी को कर छूट (आईटीसी) के रूप में समायोजित कर लेती थीं, लेकिन अब कर शून्य होने से यह सुविधा समाप्त हो गई है और कंपनियों को यह खर्च खुद उठाना पड़ेगा। माना जा रहा है कि इस खर्च और लागत की भरपाई के लिए कंपनियां आधार प्रीमियम 3-8 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं।

क्या है आईटीसी- आईटीसी को आसान भाषा में समझें तो यह एक प्रकार से कर छूट जैसा ही होता है। अभी बीमा कंपनियां इस्तेमाल की गई सेवाओं पर जीएसटी छूट (आईटीसी) का दावा करती हैं। इसमें दफ्तर, वितरक का कमीशन, प्रचार और अन्य परिचालन खर्च शामिल हैं, लेकिन आईटीसी न मिलने से कंपनियों की लागत बढ़ेगी। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ तपन सिंघल के मुताबिक, हेल्थ इंश्योरेंस में आईटीसी नुकसान 3-8 प्रतिशत हो सकती है। अगर यह ग्राहकों पर डाली गई, तो ग्राहकों को कुल राहत 12-15 प्रतिशत ही मिलेगी।

ऐसे समझें प्रीमियम पर असर- मान लीजिए किसी पॉलिसी का प्रीमियम 100 रुपये है। पहले इस पर 18 प्रतिशत जीएसटी जोड़कर ग्राहक से 118 रुपये वसूला जाता था।

पुरानी और नई पॉलिसीधारकों के लिए नियम

1. एक साथ प्रीमियम चुकाया है तो.. जिन पॉलिसीधारकों ने 2, 3 या 5 साल का प्रीमियम पहले ही भर दिया है, उन्हें पिछली तारीख से जीएसटी छूट का फायदा मिलने की संभावना कम है। यानी रिफंड नहीं मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रीमियम जिस दिन भरा जाता है, उस दिन लागू टैक्स ही जमा करना होता है। चूंकि पहले 'शून्य जीएसटी दर' लागू नहीं थी, इसलिए पीछे जाकर फायदा नहीं मिल सकता। हालांकि, इस संबंध में सरकार की अधिसूचना का इंतजार करना होगा।

2. 22 से पहले प्रीमियम तिथि है तो... जिनकी पॉलिसी का नवीनीकरण 22 सितंबर से पहले होना है, वे प्रीमियम भरने में देरी करके फायदा नहीं उठा पाएंगे। पॉलिसी दस्तावेज में नवीनीकरण की तारीख वही रहेगी और उस हिसाब से जीएसटी का भुगतान करना होगा।

3. अगर पॉलिसी रद्द करना चाहते हैं- कुछ लोग सोच रहे हैं कि पॉलिसी रद्द करके 22 सितम्बर के बाद दोबारा खरीद लें, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि ऐसा करना जोखिम भरा है। बीच में अगर कोई नई बीमारी या स्वास्थ्य समस्या आ गई तो दोबारा बीमा लेना मुश्किल हो सकता है।

4. नई पॉलिसी पर भी लाभ- केवल उन पॉलिसियों पर नया नियम लागू होगा, जो 22 सितंबर के बाद खरीदी जाएंगी या जिनकी नवीनीकरण तिथि इसके बाद है।

एचडीएफसी बैंक ने 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र के साथ अपना वार्षिक शॉपिंग बोनान्ज़ा फेस्टिव ट्रीट्स 2025 किया लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने वार्षिक फेस्टिव ट्रीट्स 2025 अभियान की शुरुआत की घोषणा की है, जो देश में शॉपिंग सीज़न की शुरुआत का आधार तैयार करता है। यह अखिल भारतीय बोनान्ज़ा कार्ड, लोन, पेज़ैप और ईज़ीईएमआई पर 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र लेकर आ रहा है, जिससे ग्राहकों के लिए त्योहारी खरीदारी ज़्यादा किफ़ायती और फ़ायदेमंद हो गई है। बैंक के पास एक्सप्रेस पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, कार लोन, टू-व्हीलर लोन, होम लोन, गोल्ड लोन, एग्री लोन, कमर्शियल व्हीकल्स, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, सेविंग अकाउंट, पेज़ैप, सिक्योरिटीज पर लोन, प्रॉपर्टी पर लोन जैसे कई उत्पादों पर कई ऑफर हैं। उपभोक्ताओं को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के जरिए की गई खरीदारी पर त्योहारी खरीदारी पर 50,000 रुपये तक की बचत करने का मौका मिलेगा। बैंक ने जिन प्रमुख ब्रांडों के साथ साझेदारी की है उनमें एलजी भी शामिल है जो ग्राहकों को ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के साथ 50,000 रुपये कैशबैक के रूप में प्राप्त करने में सक्षम बनाता है और गूगल पिक्सल एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के साथ 10,000 रुपये तक कैशबैक देता है। फेस्टिव ट्रीट्स ऑफर कई उत्पादों पर लागू हैं उसके बाद गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दुर्गा पूजा और फिर दिवाली। इस दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित होता है कि ऑफ़र समय पर हों और सभी राज्यों के ग्राहकों के लिए प्रासंगिक हों। एचडीएफसी बैंक इस त्योहारी अभियान के लिए अपनी 9,499 शाखाओं, 21,251 एटीएम और छह लाख से ज़्यादा मर्चेंट व डीलर टचपॉइंट्स के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाएगा। बैंक की योजना ग्राहकों तक इन ऑफर्स को पहुँचाने के लिए रिटेल सेंटर्स, आवासीय परिसरों और कार्यालयों में 37,000 से ज़्यादा ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन करने की है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड - पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग, श्री पराग राव ने कहा, जैसे-जैसे देश त्योहारों की खुशियों में डूब रहा है, हम अपने उपभोक्ताओं के लिए ढेरों ऑफर लेकर आ रहे हैं जो उन्हें वास्तविक मूल्य प्रदान करते हैं और उन्हें हमारे कार्ड्स, लोन्स, पेज़ैप और ईज़ीईएमआई की सुविधा के माध्यम से स्मार्ट तरीके से खर्च करते हुए जश्न मनाने में सक्षम बनाते हैं।

सैमसंगने नए डिजाइन किये गये एस पेन और बेहतरीन सैमसंग डीईएक्स अनुभव के साथ लॉन्च की गैलेक्सी टैबएस11 सीरीज

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा और गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा और गैलेक्सी टैब एस11 को लॉन्च किया है। ये दोनों टैबलेट अब तक का सबसे इंटेलीजेंट और एडवांस्ड टैबलेट अनुभव देते हैं। गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ चलते-फिरते आसानी से काम करने के लिए बनाई गई है, और इसमें शक्तिशाली हार्डवेयर का बड़ी स्क्रीन के लिए बेहतरीन अनुभवों के साथ संयोजन किया गया है।

गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा अब तक का सबसे पतला गैलेक्सी टैब है। यह परफॉर्मेंस से समझौता किये बगैर एक प्रीमियम टैबलेट का नया अनुभव देता है। गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा केवल 5.1 द्व्द्व पतला है, और इसका वजन महज 692 ग्राम है। जबकि इसके पूर्ववर्ती फोन का वजन 718 ग्राम और मोटाई 5.5 एमएम थी।

एडवांस्ड एआई के साथ रोज़मर्रा के कार्यों को शक्ति देना - वन यूआई 8 के साथ, गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ मल्टीमॉडल एआई को सबसे आगे लाती है - यह समझता है कि यूजर क्या टाइप करते हैं, बोलते हैं और देखते हैं, और वास्तविक समय में उपयोगी सुझाव देकर जवाब देती है। ये उपकरण किसी भी कार्य में काम करने, रचनात्मकता दिखाने और प्रवाह बनाए रखने का एक अधिक सहज तरीका प्रदान करते हैं। गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ जेमिनी लाइव के साथ आती है जोकि रीयल-टाइम स्क्रीन शेयरिंग और विजुअल इनपुट को इनेबल करता है, ताकि यूजर जेमिनी के साथ स्वाभाविक बातचीत कर सकें कि वे क्या देख रहे हैं। चाहे वह स्क्रीन पर कंटेंट हो या कोई वस्तु जिसे उपयोगकर्ता कैमरे से दिखाना चाहता हो जेमिनी लाइव संदर्भ आधारित सवालों और रिक्वेस्ट को समझ सकता है।

अवैध फायर आर्म्स लेकर स्कॉर्पियो से घूम रहे 2 शातिर बदमाश, पुलिस थाना कनाडिया की गिरफ्त में

इन्दौर l शहर अति.पुलिस उपायुक्त जोन – 2 अमरेन्द्र सिंह ने बताया कि सहायक पुलिस आयुक्त खजराना कुंदन मंडलोई के दिशा निर्देशन में कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना कनाड़िया द्वारा अवैध फायर आर्म्स के साथ 02 शातिर बदमाशों को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है।

क्षेत्र में अवैधानिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के

निर्देशन में कनाडिया थाना प्रभारी द्वारा टीम का गठन कर लगाया गया है। टीम द्वारा क्षेत्र में सतत् भ्रमण कर आसूचना संकलित की जा रही थी । इसी दौरान टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो संदिग्ध व्यक्ति कनाडिया बायपास पर सफेद कलर की स्कॉर्पियो से निकल रहे है जिनके पास अवैध हथियार भी है। उक्त सूचना पर तत्काल टीम द्वारा बायपास पर घेराबंदी कर दो संदिग्ध व्यक्तियों को कार सहित पकड़ा। जिन्होंने पूछताछ पर अपना नाम 1. फारुख खान उम्र 61नि. -ग्राम सागौर पीथमपुर, जिला धार , 2. गुड्डू लाल गुर्जर उम्र

35 नि. ग्राम चंदियाखेड़ी, झालरापाटन जिला झालावाड़ बताया। इनकी तलाशी लेने पर इनके कब्जे से अवैध 2 देशी पिस्टल व 4 जिन्दा राउण्ड मिलें , जिन्हें विधिवत जप्त किया गया। दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके विरुद्ध थाना कनाडिया पर अपराध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। आरोपियों से अवैध हथियारों के स्त्रोत व अन्य अपराधों के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही हैं।

आरोपी फारुख शातिर बदमाश है जो वर्ष 1991 से अपराध जगत में सक्रिय है जिसके विरुद्ध थाना सागौर, पीथमपुर सहित विभिन्न अन्य थानों पर गुंडागर्दी, मारपीट, दंगा भड़काना, आगजनी, हफ्ता वसूली, बलवा करने आदि विभिन्न गंभीर धाराओं के लगभग 30 से अधिक अपराध पंजीबद्ध है। तथा उसके साथी ड्राइवर गुड्डू लाल गुर्जर के खिलाफ राजस्थान जिला झालावाड थाना सदर झालावाड मे करीब 6 से अधिक अपराध पंजीबद्ध है आरोपी स्थाई वारंट मे फरार चल रहा है जिसके ऊपर राजस्थान मे 5000 रुपये का ईनाम उद्घोषित है । 02 अवैध देशी पिस्टल, 4 जिन्दा राउंड, सफेद कलर की स्कॉर्पियो । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कनाड़िया निरीक्षक सहर्ष यादव, उ.नि.दीपक पालिया,सउनि, प्र.आर. शिवकुमार यादव, किशोर सावारिया, आर. मनोज पटेल, आर. जंगजीत जाट, अमित भदौरिया, आर. रामभजन गुर्जर, नीरज जाट, हरीश जाट, विजय बडौदिया, ओमप्रकाश नरवारिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

एक रहस्य बना साधारण सा दिखता है ये पुल

सुंदर और छोटा सा यह पुल देखने में बहुत ही अनोखा नहीं है. लेकिन फिर भी यह दुनिया के सबसे अजीब पुलों में से एक है. सबसे अजीब बात ये है कि यहां कुत्ते भी आकर आत्महत्या करते रहे हैं. ऐसा क्यों होता है यह आज तक रहस्य बना हुआ है.

आपने दुनिया के खतरनाक पुलों के बारे में सुना होगा लेकिन एक पुल किसी कोने से खतरनाक नहीं दिखता है. साधारण सा होने के बाद भी यह अपने आप में कम आकर्षक नहीं है. फिर भी स्कॉटलैंड रका ओवरटाउन ब्रिज, एक अजीब सी वजह के लिए मशहूर है. यहां कुत्ते आत्महत्या करते रहे हैं. हैरानी की बात यह है कि इसका सटीक कारण पता नहीं है. ओवरटाउन ब्रिज 1895 में बना था. 15 मीटर का गोथिक स्टाइल का यह पुल खुरदर एशलर के पत्थरों से बना है. इसमें तीन मेहराब हैं जो एक खड़ी घाटी को दो किनारों को जोड़ते हैं. एक बीच का मेहराब बड़ा है जिसके दोनों ओर दो निचले और छोटे मेहराब हैं. प्राकृतिक पेड़ पौधों के बीच यह बीच खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है. लेकिन इसकी चर्चा कुत्तों की वजह से अधिक होती है.

1859 में, ओवरटाउन फार्म को स्कॉटिश उद्योगपति जेम्स व्हाइट ने खरीदा. 1884 में व्हाइट की मौत के बाद उनके बेटे, जॉन कैंपबेल व्हाइट को घर और उसकी संपत्ति विरासत में मिली और उन्होंने घर के ड्राइववे को एक गहरी खाई में विस्तारित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया ताकि आसान पहुंच मिल सके. उन्होंने एक पुल का डिजाइन बनाने के लिए लैंडस्केप आर्किटेक्ट और सिविल इंजीनियर हेनरी मिलनर को काम पर रखा.

इस पुल के निर्माण के बाद से अब तक 600 से ज्यादा आत्महत्याओं का इतिहास रहा है. इससे भी ज्यादा डरावना यह है कि पिछले कई दशकों में 50 से ज्यादा कुत्ते इस पुल से कूदकर अपनी जान दे चुके हैं, जिससे जानवरों की आत्महत्या की संभावना पर सवाल उठते हैं.

इस बात का कोई सबूत नहीं मिले है कि पुल पर किसी अलौकिक शक्ति का वास या किसी भूत प्रेत का साया है, लेकिन ओवरटाउन की श्वेत महिला की किंवदंती अभी भी कायम है. लेकिन कुत्तों की आत्महत्या के पीछे एक कारण यह बताया जाता है कि पुल के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले मिंक की गंध कुत्तों को कूदने के लिए आकर्षित करती है. लेकिन कुत्तों के यूं मरने का एक ही कारण नहीं बताया जाता है. एक अन्य सिद्धांत यह सुझाव देता है कि कुत्ते किसी तरह की अदृश्य उपस्थिति से डर जाते हैं. यह कोई ऐसी ध्वनि या कंपन है जिसे इंसान नहीं समझ सकते. वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि पुल की रेलिंग के कारण कुत्ते अपनी छलांग का गलत अनुमान लगा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है. कई वैज्ञानिक अध्ययनों और जांचों के बावजूद, ओवरटाउन ब्रिज पर कुत्तों की आत्महत्या का कारण आज भी एक रहस्य बना हुआ है.

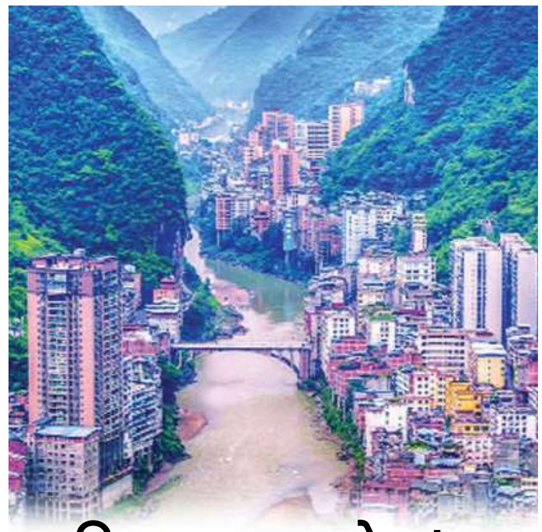

दुनिया का सबसे संकरा शहर है यांजिन

क्या आपने किसी ऐसे शहर के बारे में सुना है, जिसे सबसे संकरा माना जाता है? वो शहर न सिर्फ नदी के दोनों किनारों पर बसा है, बल्कि पहाड़ों के बीचों-बीच है. वहां से बाहर निकलने का सिर्फ एक रास्ता है. देखने में ये जितना खूबसूरत लगेगा, उतना ही ज्यादा डरावना भी लग सकता है.

अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप किसी ऐसे शहर के बारे में जानते हैं, जिसे दुनिया में सबसे संकरा माना जाता हो? यकीनन, ज्यादातर लोगों को इसके बारे में पता नहीं होगा. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ही शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाने वालों का कलेजा कांप उठेगा. हर पल कंपकंपी होगी. ऐसा इसलिए क्योंकि यह शहर पहाड़ों के बीचों-बीच बहने वाली एक नदी के दोनों किनारों पर बसा हुआ है. इस वजह से इसे सबसे संकरा शहर का दर्जा भी मिला है. लेकिन ये शहर भी कोई छोटा-मोटा नहीं है, बल्कि यहां 5 लाख से ज्यादा की आबादी रहती है. इस शहर का नाम यांजिन है, जो पहाड़ों के बीच बहने वाली नांक्सी नदी के दोनों मुहानों पर बसा है. यांजिन सिटी, चीन का एक प्रमुख शहर है. चीन के युनान प्रांत में बसे इस शहर को दुनिया का सबसे संकरा शहर माना गया है. पहली बार में इस शहर को देखने पर यकीन करना भी मुश्किल हो जाता है कि वाकई में कोई ऐसा शहर इस धरती पर मौजूद है. हालांकि, पहाड़ों से इस शहर की खूबसूरती देखना वाकई में अद्भुत है. ये किसी फिल्म या डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा लगेगा. लेकिन आपको बता दें कि देखने में भले ही ये बेहद खूबसूरत लगे, लेकिन ऐसी परिस्थिति में रहना आसान नहीं है.

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शहर का सबसे संकरा इलाका 30 मीटर, जबकि सबसे फैला हुआ इलाका 300 मीटर चौड़ा है. नदी के दोनों किनारों पर एक-एक रोड है, जिससे होकर यहां के लोग बाहर निकलते हैं. वहीं, टूरिस्ट भी इन सड़कों से होकर ही इस शहर के अंदर प्रवेश करते हैं. नदी की वजह से ये सड़कें कई किलोमीटर लंबी हैं. उनके किनारे घर बने हुए हैं, लेकिन पुलों की संख्या कम है. लेकिन पहाड़ों के बीच बसे इस शहर में जाने के दौरान ज्यादातर लोगों की हालत खराब हो सकती है. बाढ़ से बचाने के लिए नदी किनारे के बिल्डिंग्स को खंभों के सहारे बनाया गया है, ताकि बाढ़ का पानी उसके नीचे ही रहे. अब आप सोच रहे होंगे कि इतनी मुश्किलों के बीच लोग क्यों रहते हैं? तो बता दें कि यहां पर रहने वाले ज्यादातर लोगों की कई पीढ़ियां यहां रह चुकी हैं. ऐसे में वो इस शहर को छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं.

संभल जाए पाकिस्तान, वरना भुगतना होगा अंजाम

दुबई, एजेंसी। एशिया कप का आयोजन इस बार यूएई में किया जा रहा है। टीम इंडिया इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रही है। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच 14 सितंबर को होगा। इस महामुकाबले से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान को हल्के अंदाज में चेतावनी दी है। उन्होंने साफ किया कि उनकी टीम मैदान पर हमेशा आक्रामक रहेगी।

भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को मेजबान यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान का पहला मैच शुक्रवार को ओमान से होगा। एशिया कप शुरू होने से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा कि जब वे

मैदान पर उतरते हैं तो आक्रामकता हमेशा रहती है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट बिना आक्रामकता के नहीं खेला जा सकता।

उन्होंने अपनी टीम की तैयारियों के बारे में बताया कि भले ही टीम ने जून के बाद ज्यादा टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और हाल ही में नेट पर बिताए गए समय से टीम पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हम चुनौती स्वीकार करते हैं। देखते हैं कि यह कैसा होता है।जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम की रणनीति में कोई बदलाव होगा, तो भारतीय कप्तान ने एक मजेदार जवाब दिया, अभी तक सब बढ़िया चल रहा है, क्यों बिना मतलब का उंगली करना है। उनका कहने का मतलब था कि अगर सब कुछ ठीक चल रहा है तो बदलाव क्यों करें।

सूर्यकुमार की कप्तानी में पहली बड़ी परीक्षा

रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव भारत के फुल-टाइम कप्तान बने हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने 22 में से 17 मैच जीते हैं, जो एक शानदार रिकॉर्ड है। एशिया कप सूर्या की कप्तानी में भारत का पहला मल्टी-नेशन टूर्नामेंट होगा, जो उनके लिए एक बड़ी परीक्षा साबित होगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया काफी मजबूत नजर आ रही है।

टेबिल टेनिसः

अनन्या और दिव्यांशी की जोड़ी का दमदार प्रदर्शन, स्टार कंटेंडर में अंडर-15 युगल खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वैंगकी और ल्यु झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता। कड़े मुकाबले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। दबाव को झेलने और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोडियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई। इससे पहले सेमीफाइनल में इस जोड़ी ने हमवतन रियाना

भूटा और अंकोलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) से हराया था। रियाना और अंकोलिका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पीबी अभिनंद और ऋत्विक गुप्ता ने क्रमशः अंडर-19 और अंडर-15 बालक एकल वर्ग में रजत पदक जीते।

अभिनंद जापान के इवैडा शुंटो के खिलाफ सीधे गेम में 0-3 (6-11, 7-11, 8-11) से हार गए जबकि ऋत्विक को भी खिताबी मुकाबले में कोरिया के ली सेयुंगसू के खिलाफ 0-3 (8-11, 5-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर-19 मिश्रित युगल में अभिनंद और सिंड्रेला दास की जोड़ी जबकि अंडर-15 बालक युगल में ऋत्विक और साहिल रावत की जोड़ी ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल छह पदक जीते।

पाकिस्तानी गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के 31 वर्षीय तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान के लिए कुल 34 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस क्रिकेटर ने दिसंबर 2019 में आखिरी बार पाकिस्तान की ओर से खेला था।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने साल 2013 में पाकिस्तान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया। टी20 फॉर्मेट के डेब्यू के बाद उन्हें वनडे और टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका भी मिला। शिनवारी ने पाकिस्तान की ओर से 17 वनडे मैच खेले, जिसमें 18.61 की औसत के साथ 34 शिकार किए। वहीं, 16 टी20 मुकाबलों में इस गेंदबाज ने 13 विकेट निकाले। इस तेज गेंदबाज ने दिसंबर 2019 में इकलौता टेस्ट मैच खेला। श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी में आयोजित इस मुकाबले में शिनवारी ने 54 रन देकर सिर्फ एक ही विकेट अपने नाम किया था। इसके तुरंत बाद वह टीम से बाहर हो गए और अपना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी खो दिया। शिनवारी एसीसी पुरुष वनडे एशिया कप 2018 में पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज को अपने छोटे से कार्यकाल में ही कई बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसने उनके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रास्ते बंद कर दिए।

वनडे फॉर्मेट में शिनवारी श्रीलंका के खिलाफ दो मुकाबलों में पांच शिकार कर चुके हैं। उन्होंने साल 2017 में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 34 रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। इसके बाद साल 2019 में कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में 51 रन देकर पांच विकेट निकाले। बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज साल 2021 में रेड बॉल फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर चुका था। साल 2013 में डिपार्टमेंटल टी20 कप के फाइनल में किशोर शिनवारी ने सभी का ध्यान खींचा था। उन्होंने अपनी सीम और स्विंग के साथ 3.1 ओवरों में महज नौ रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। मिस्बाह-उल-हक की अगुवाई वाली एसएनजीपीएल टीम को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को राहत, कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौटे स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को बड़ी राहत मिली है। टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड की टीमें पांच मुकाबलों की एशेज सीरीज 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच खेलेंगी। माना जा रहा था कि चोटिल होने के बाद यह अनुभवी ऑलराउंडर करीब छह या सात हफ्ते तक मैदान से दूर रह सकता है, लेकिन इंग्लैंड की काउंटी टीम डरहम के साथ नेट्स में ट्रेनिंग पर वापसी करते हुए स्टोक्स ने तमाम आशंकाओं को दूर कर दिया। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने पुष्टि करते हुए बताया कि स्टोक्स ट्रेनिंग के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी के लिए लौट आए हैं। कैंपबेल ने बीबीसी रेडियो 5 लाइव पर कहा, स्टोक्स ट्रेनिंग पर वापस आ गए हैं। पिछले हफ्ते से उन्होंने बल्लेबाजी शुरू कर दी। उनका सेशन वाकई अच्छा रहा। उन्होंने करीब दो घंटे तक बल्लेबाजी की। उनकी बल्लेबाजी अच्छी नजर आ रही है, लेकिन उन्हें गेंदबाजी में अभी काफी समय लगेगा। कैंपबेल के मुताबिक, इंग्लैंड की टीम एशेज तभी जीत सकती है, जब स्टोक्स पांचों टेस्ट मैच खेलें और अच्छा प्रदर्शन करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि स्टोक्स ऐसा कर पाएंगे। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत बनाते हैं। वह तीसरे या चौथे तेज गेंदबाज के तौर पर एक शानदार विकल्प हैं। वह कई ओवर गेंदबाजी करते हुए आपको विकेट दिला सकते हैं। जिस तरह से वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश करते हैं, उसे देखकर मुझे हैरानी होती है।

श्रीलंका 2019 के बाद पहली बार पाकिस्तान में ODI खेलेगा

- **नवंबर में खेली जाएगी सीरीज; ट्राई सीरीज की भी मेजबानी करेगा पाकिस्तान**

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका की टीम इस साल नवंबर में वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। दोनों देशों के बीच यह तीन मैचों की सीरीज 11 से 15 नवंबर 2025 के बीच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। श्रीलंका की टीम 2019 के बाद पहली बार पाकिस्तान में कोई वनडे सीरीज खेलेगी। पिछली बार जब श्रीलंका ने

पाकिस्तान का दौरा किया था, तब तीन वनडे खेले गए थे, जिसमें पाकिस्तान ने 2-0 से सीरीज अपने नाम की थी। पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

आईएसएसएफ विश्व कप के पहले दिन भारतीय निशानेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन

निंगबो (चीन), एजेंसी। सुरभि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सुरभि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। भारत का आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में पहले दिन निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि उसकी 10 मीटर एयर पिस्टल और राइफल मिश्रित टीमें मंगलवार को यहां फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहीं।

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दोनों भारतीय जोड़ियां क्वालीफिकेशन में क्रमशः 11वें और

13वें स्थान, जबकि 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में 14वें और 34वें स्थान पर रही। सुरभि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सुरभि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। चीन ने 585 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में चेक गणराज्य को 17-5 से हराया। ओलंपियन रिदम सांगवान और निशांत रावत की अन्य भारतीय जोड़ी 21 टीमों में 571 अंक के साथ 13वें स्थान पर रही। रिदम ने 299 अंक बनाए, जबकि 23 वर्षीय रावत 282 अंक ही बना पाए।

10 मीटर एयर राइफल में, एशियाई खेलों की व्यक्तिगत कांस्य पदक विजेता रमिता जिंदल और मदीनेनी उमामहेश की जोड़ी 628.6 अंक के साथ 14वें स्थान पर रही। रमिता ने 312.9 जबकि उमामहेश ने 315.7 अंक बनाए। पेंग शिनलू (318.5) और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेंग लिहाओ (318.4) की चीनी जोड़ी ने 636.9 का विश्व रिकॉर्ड स्कोर बनाकर क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार (309.3) और मेघना सज्जनार (312.8) की अन्य भारतीय जोड़ी 36 टीमों में 622.1 अंक के साथ 34वें स्थान पर रही। भारत ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने के 24 खिलाड़ियों को भेजा है।

क्षिप्रा नदी में मिला कार और महिला आरक्षक आरती पाल का शव, 68 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

उज्जैन।उज्जैन में शनिवार रात हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। शिप्रा नदी में गिरी पुलिस की कार से तीन अधिकारियों की मौत हो गई। मंगलवार देर शाम लगभग 68 घंटे की मशक्कत के बाद महिला आरक्षक आरती पाल (30 वर्ष) का शव कार से बरामद किया गया।

हादसा कैसे हुआ?

शनिवार की रात उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा (58), सब-इंस्पेक्टर मदनलाल निनामा (57) और महिला आरक्षक आरती पाल गुमशुदा किशोरी की तलाश में निकले थे। लौटते समय उनकी कार बड़नगर पुल के पास संतुलन बिगड़ने से तेज़ बहाव में शिप्रा नदी में गिर गई। रविवार सुबह सबसे पहले थाना प्रभारी अशोक शर्मा का शव बरामद हुआ। सोमवार को एसआई मदनलाल निनामा का शव नदी से निकाला गया। मंगलवार शाम कार के भीतर कीचड़ में फंसा महिला आरक्षक आरती पाल का शव मिला।

रेस्क्यू ऑपरेशन

इस पूरे अभियान में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, होम गार्ड और स्थानीय गोताखोरों ने तीन दिनों तक लगातार खोजबीन की। रेस्क्यू में ड्रोन, मशीनी नावें, क्रेन और आधुनिक तकनीक का सहारा लिया गया। स्थानीय गोताखोर मोहम्मद इरफान ने कार के भीतर शव की लोकेशन बताई जिसके बाद आरती पाल का शव निकाला जा सका।

एसपी प्रदीप शर्मा का बयान

उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने घटनास्थल पर

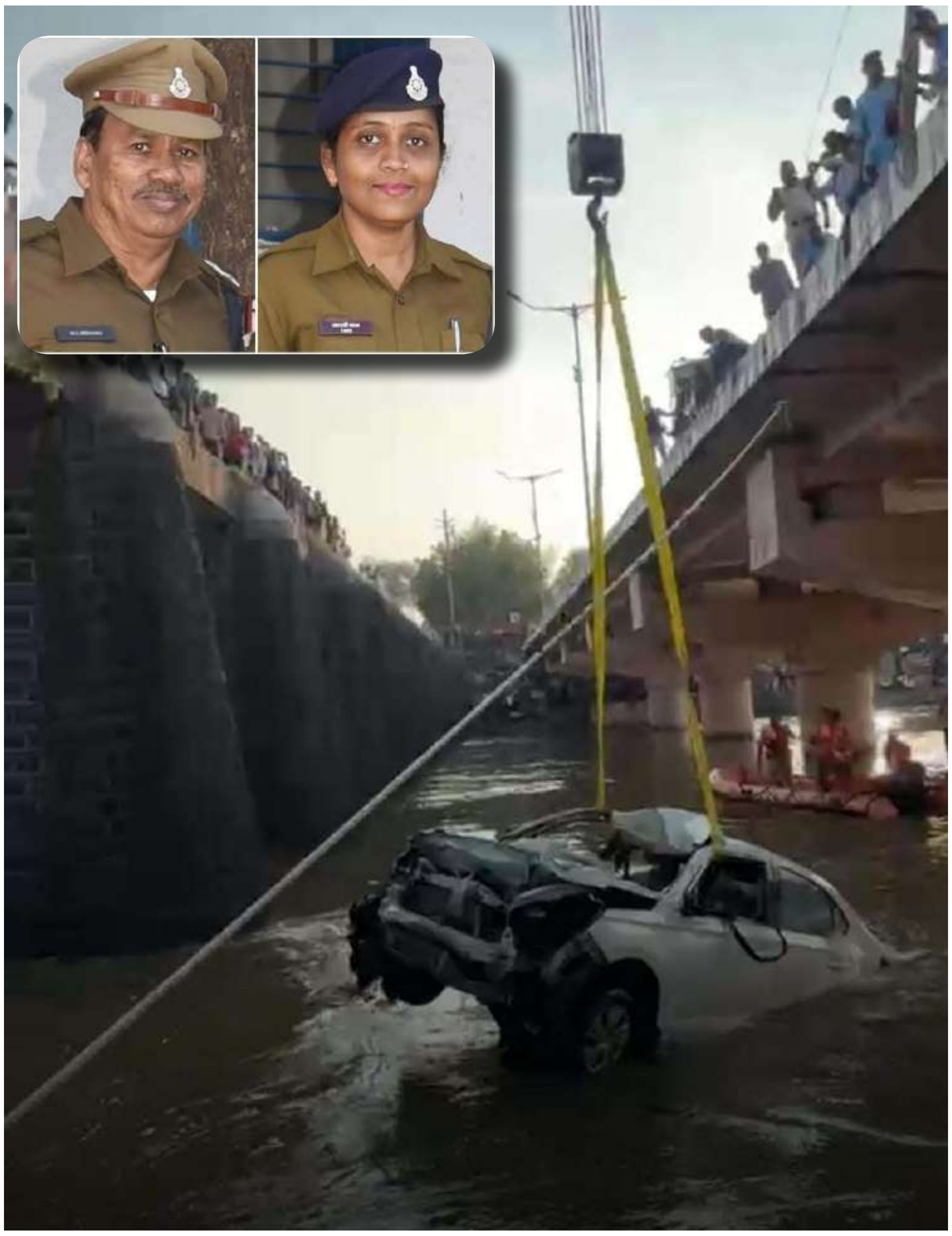

मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि "तीनों पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए शहीद हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था लेकिन टीम ने लगातार प्रयास कर सभी शवों को बरामद कर लिया।"

राजनीतिक प्रतिक्रिया

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जितु पटवारी ने इस घटना को गंभीर लापरवाही बताते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि "शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को स्थायी नौकरी और उचित मुआवज़ा मिलना चाहिए।"

शहीद पुलिसकर्मी

अशोक शर्मा – थाना प्रभारी, उन्हेल
मदनलाल निनामा – सब-इंस्पेक्टर
आरती पाल – महिला आरक्षक

इस हृदयविदारक हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं कि आखिर क्यों पुल पर सुरक्षा इंतज़ाम पुख़्ता नहीं थे और ऐसी दुर्घटनाएँ बार-बार क्यों हो रही हैं।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स